



List of New Course(s) Introduced

Department : Hindi

Programme Name : B.A.

Academic Year : 2018-19

List of New Course(s) Introduced

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
1.	AR/HIN/C-101	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2.	AR/HIN/C-102	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3.	AR/HIN/C-201	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4.	AR/HIN/C-202	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5.	AR/HIN/C-301	छायावादोत्तर हिंदी कविता
6.	AR/HIN/C-302	भारतीय काव्यशास्त्र
7.	AR/HIN/C-303	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8.	AR/HIN/C-401	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9.	AR/HIN/C-402	हिंदी उपन्यास
10.	AR/HIN/C-403	हिंदी कहानी
11.	AR/HIN/C-501	हिंदी नाटक एवं एकांकी
12.	AR/HIN/C-502	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13.	AR/HIN/C-601	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14.	AR/HIN/C-602	प्रयोजनमूलक हिंदी
15.	DSEC-1	लोक साहित्य
16.	DSEC-2	राष्ट्रीय काव्यधारा



17.	DSEC-3	छायावाद
18.	DSEC-4	प्रेमचन्द
19.	AR/AIN/GEC-101	कला और साहित्य
20.	AR/AIN/GEC-102	आधुनिक भारतीय साहित्य
21.	AR/AIN/GEC-201	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
22.	AR/AIN/GEC-202	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र
23.	AEC-1	हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण
24.	AEC-2	हिन्दी भाषा और संप्रेषण
25.	SEC-1	रचनात्मक लेखन
26.	SEC-2	हिंदी सिनेमा



Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

Academic Year : 2018-19

School : Arts

Department : Hindi

Date and Time : JUNE 30, 2018 - 10:00 AM

Venue : E-Class Room

अध्ययनमंडल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा के लिए पाठ्यक्रम निर्माण के उद्देश्य से कला अध्ययनशाला के अंतर्गत हिन्दी विभाग में अध्ययनमंडल की बैठक आहूत की गयी जिसमें निम्नलिखित सदस्य भागीदार रहे -

1. डॉ. रमेश कुमार गोहे. (विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, अध्ययन मंडल)
2. डॉ. वीरेन्द्र मोहन (वाह्य विशेषज्ञ)
3. श्री मुरली मनोहर सिंह, सदस्य (सहा. प्रा.)

- बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार किया गया -
- पूर्व स्वीकृत CBCS प्रणाली की यथावत स्वीकृति
- स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम की यथावत स्वीकृति
- DSEC, GEC, AECC, SEC को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया
- समिति की बैठक में पाठ्यक्रम की CBCS प्रणाली पर परिचर्चा करते हुए अपनी सहमति प्रदान की। निम्नलिखित नई पाठ-योजनाओं को स्नातक प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया -

DSEC:- लोक साहित्य AR/HIDS0501L

राष्ट्रीय काव्यधारा AR/HIDS0502L

छायावाद AR/HIDS0601L

प्रेमचंद AR/HIDS0602L+T

GEC :- कला और साहित्य AR/AIN/GEC-101

आधुनिक भारतीय साहित्य AR/AIN/GEC-102

पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य AR/AIN/GEC-201

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम AR/HIGE0401L

AECC :- हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण HNAECC101T

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण HNAECC102T

SEC:- रचनात्मक लेखन AR/HISCO301L

साहित्य और हिन्दी सिनेमा AR/HISCO401L


अध्यक्ष / HOD

हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G G V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature & Seal of HoD



गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर छ.ग.

हिंदी विभाग

कला संकाय



सत्र 2018-19 एवं क्रमशः

हेतु

संचालित पाठ्यक्रम

स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के चयन स्तरीय प्रणाली

(choice based credit system)

की सत्रीय व्यवस्था युक्त



हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय वि.वि.) बिलासपुर छ.ग.

विश्वविद्यालय पत्र 185/अका/अ.म./हिंदी/2018 बिलासपुर दिनांक 12-06-18 के अनुसार हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम अध्ययनमंडल के सदस्यों के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

बैठक तिथि 30 जून 2018

समय 10:00 बजे

अध्ययनमंडल के सदस्य :

1. डॉ. रमेश कुमार गोहे
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग - अध्यक्ष - अध्ययनमंडल *Panna*
30/06/18
2. प्रो. वरिंद्र मोहन
डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. सागर म.प्र. - साह्य विषय विशेषज्ञ अध्ययनमंडल
3. श्री मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग - सदस्य अध्ययनमंडल *Murli*
30/06/18



हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

B.A. (HONOURS) HINDI CBCS पाठ्यक्रम प्रारूप
(सत्र 2018-19)

CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (सिंथिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पारश्वात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिंदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

- 1- लोक साहित्य
- 2- राष्ट्रीय काव्यधारा
- 3- छायावाद
- 4- प्रेमचन्द



GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

1. हिन्दी व्याकरण और संश्लेषण - प्रथम सेमेस्टर
2. हिन्दी भाषा और संश्लेषण - द्वितीय सेमेस्टर

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

- 1- रचनात्मक लेखन (काल्पनिक सेमेस्टर) - प्रथम सेमेस्टर
2- साहित्य और हिन्दी सिनेमा - द्वितीय सेमेस्टर

वि.वि.प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

- बी.ए.आनर्स हिंदी
- एम.ए.हिंदी

वि.वि.शोध प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

- प्री पीएच.डी.

विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर



REVISED SYLLABUS OF CBCS
B.A.(HONOURS) (HINDI)
CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (शैतिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पश्चात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिंदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-101

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल
 - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
 - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
 - रासो काव्य, लौकिक साहित्य
- भक्तिकाल
 - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
 - संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य
- रीतिकाल
 - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
 - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-102

2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक
पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण
भारतैन्दु युग
द्विपदी युग
छायावाद
प्रगतिवाद
प्रयोगवाद
नई कविता
सम्बन्धी कविता
- हिंदी गद्य का विकास :
स्वातंत्र्य पूर्व हिंदी गद्य
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-201

3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

1. विद्यापति -

दो पद

1. वंशी नाचुरी-

(नंदक नंदन कदंबक तत्कार.....)

~~2. पद~~

(मधुवं डेभर रहल दुरवेस.....)

(विद्यापति - शिव प्रसाद सिंह)

बसंत मिला -
कुंज शक से नाल भोलि दे

2. कबीर -

दो पद-

~~1. पीनी पीनी पीनी पीनी~~

2. मोको कहीं दूडे रे बदे

मनीचकूदी
- शकपुंवेगक देहा टफारो
- अगदकु ले नस

संदर्भ- (कबीर उधावली - श्याम सुंदर दास)

3. जायसी -

नागवती वियोग खण्ड के दो पद

1. नागवती चित्ततर पथ हेरा.....

2. कातिक सरद उजियारी.....

पदमिवा
- मागलौदक ककस
- कबीर

संदर्भ- पदमावत (नागवती वियोग खण्ड - स. रामचन्द्र शुक्ल)

4. भ्रमरदास -

1. भ्रमरगीत सार - एक पद

आयो घोष बडो ट्याधारी

- लाकिई को प्रेकु
- बिनु गुपाल बरिन फई
- एगई ही उरिल की -

संदर्भ- (भ्रमरगीत सार - स. रामचन्द्र शुक्ल) तमन अ वासवती

मैया मोहि दाडू कइत विखायी

संदर्भ- (सूरसागर)

कुक के, करत कुमान...
को कइत करत भसा ज दोखापवडी
शालीनतात खिलमम

5. तुलसीदास -

अवधेस के द्वारे सकारे गई - कवितावली (बालकाण्ड)

खेती न किसान को भिखारी को न भीख, बति- (विद्यापति) कवितावली

6. रहीम -

1. रहिमन धागा प्रेम का

2. रहिमन देखि बडेन को

3. रहिमन विषदा हू भली

4. रहिमन निजमन की व्यथा

5. रहिमन प्रीति सराहिदे मिलत होत रंग दू

- अमरखेति बिन मूल मीत
- खेति आप नकाइ काफ
- ए उफर दो पौन्य हें
- फाली खीप भुका मूज
- मारण उखनी हाप सी



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-202

4. आधुनिक हिंदी कविता (आधावाद तक)

- श्रीधर काव्य कर्मसंग्रह
1. आर्योदु - 1. रोचक सब मिलिके (भारत दुर्दशा नाटक से)
 2. हरिऔध - 1. दिवस का अवसान समीप था..... (प्रिय प्रवास - प्रथम सर्ग) प्रारंभ के पक्ष पर
 3. मैथिलीशरण गुप्त - 1. दोनों ओर प्रेम पलता है। (साकेत के नवम सर्ग से) प्रारंभ के पक्ष पर
 4. रामनरेश त्रिपाठी - 1. मातृभूमि की जय हो (मानसी - काव्य संग्रह से)
 5. जयशंकर प्रसाद - 1. बीली-बिनाचरी जाग सी (लहर - काव्य संग्रह से) लहर का
 6. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - 1. मिथुन (सर्ग-विराग) लहर के पक्ष पर
 7. सुमित्रानंदन पंत - 1. परिवर्तन (तारापथ - काव्य संग्रह से)
 8. महादेवी वर्मा - 1. मैं नीर मरी दुःख की बहती (दीपशिखा - काव्य संग्रह से)

मुकुटका पाठ्य - किराण

कर्म की शीर्ष में मुकुटका
2020 की शीर्ष



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-301

5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता

- | | |
|---|---|
| 1. कंदारनाथ अग्रवाल - | 1. बसती रुका - <i>बसती रुका से लोहरी बर</i> |
| 2. नागार्जुन - | 1. <input checked="" type="checkbox"/> सबल को फिरले बेचा है। <i>बसती रुका की लकड़ूक</i> |
| 3. रामधारी सिंह दिनकर - | 1. <input checked="" type="checkbox"/> समर शेष है। <i>समर शेष है</i> |
| 4. माखनमाल जयवंदी -
<i>बसती रुका यही काव्य</i> | 1. पुष्प की अधिता <i>पद्मिनी की चित्र</i> |
| 5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - | 1. कलगी बाजरे की |
| 6. भवानी प्रसाद मिश्र - | 1. <input checked="" type="checkbox"/> सीताफरोस <i>सीताफरोस</i> |
| 7. रघुवीर सहाय - | 1. रामदास |
| 8. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - | 1. <input checked="" type="checkbox"/> मुझसे साथ रहकर <i>देखो कलगी बर कलगी बर गरी होत</i> |
| 9. निरंजनानंद माधुर -
<i>बसती रुका यही काव्य</i> | 1. छाया मत छूना मत -
<i>रुक अजीब दिन, पकिलता</i> |



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-302

6. भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त - रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त - अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- शैलि सिद्धान्त - शैलि की अवधारणा, शैलि एवं गुण, शैलि का वर्गीकरण।
- यक्रोक्ति सिद्धान्त - यक्रोक्ति की अवधारणा, यक्रोक्ति का वर्गीकरण, यक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त - औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास - सामान्य परिचय।



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-303

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो - काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू - अनुकृति एवं विरेचन।
- लॉजाइंगस - काव्य में उदात्त की अन्वेषण।
- वदर्सवार्थ - काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज - कल्पना और फैंटेसी।
- क्रोचे - अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट - परम्परा और निर्व्यक्तित्व प्रतिभा, निर्व्यक्तित्व का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचर्ड्स - मुख्य सिद्धान्त, सम्बोधन सिद्धान्त।
- नई समीक्षा। मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-401

8. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिमि विज्ञान : स्वन, परिभाषा, ध्वनीन्द्रियाँ,
स्वनों का वर्गीकरण - स्थान और प्रवृत्त के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिमि विज्ञान - शब्द और रूप (पद), पद विभाग - नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्य से अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान - शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिसाएँ।
- अपभ्रंस, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्यक् भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-402

9. हिंदी उपन्यास

○ गबन - प्रेमचंद

○ स्वामीयत्र - जीरेन्द्र कुमार

स्विलोका - अमरनाथ चरणदास

○ मृगयन्मयी - वृंदावन झाज वर्मा

अपना मेधा - काशीनाथ सिंह

○ मानस का इंस - अमृतलाल नागर

○ महाभोज - मन्नु भंडारी

2-वर्षीय

गिरिधर किशोर



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-403

10. हिंदी कहानी

- उसने कहा था : संजय एवं दुली
 - पूस की रात : प्रेमचंद
 - आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
 - हार की जीत : सुदर्शन
 - ~~पाजेब रात~~ ~~प्रीति कुमार~~ अक्षय
 - सीसवी कासम : पनीतलाल नेतु आदिपुत्र रात श्री गंध
 - मिस पाल : मोहन राकेश - उसकी रोटी
 - परिन्दे : निरंजन वर्मा
 - दोपहर का भोजन : अमरकांत
 - ~~सिक्का बदल~~ गया : कृष्णा सोबती - लापलों के घरे
 - पिता : ज्ञानरंजन
- कामेश्वर उषा प्रियंका



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C - 501

11. हिन्दी नाटक एवं एकांकी

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश
- माघवी : भीष्म साहनी

दुबलवाभनी

एकांकी

- 1 • औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
- विषकन्या : गोविन्द वल्लभ पंत
- और यह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर
- 2 • भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर
- 3 संज्ञा दीदी — उपेन्द्रनाथ अत्रेय



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-502

12 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विषय

- सरदार पूर्ण सिंह- मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल - करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - देवदारु - उग्रशीतल के शूल
- विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय - महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी - रजिया
- डॉ. नगेन्द्र - दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'मदीन' ✕
- माखनलाल घतुर्वेदी - तुम्हारी स्मृति
- विश्वकुंत शास्त्री - ये हैं प्रोफेसर शशांक ✕



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-601

13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

- साहित्यिक पत्रकारिता: अर्थ, अवधारणा और महत्व।
- भारतोन्मुखी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विपक्षीय युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदुस्तान आज, स्वदेश प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।



पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-602

14. प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वर्ण-प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अध्याय व्यावसायिक पत्र-लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति



B.A. (HONOURS) HINDI

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

1. लोक साहित्य

2. राष्ट्रीय काव्यधारा

3. छायावाद

4. प्रेमचंद

B.A. 2nd Sem

B.A. VIth Sem



1- लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियों, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथारुद्धियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।



Model

2-राष्ट्रीय काव्यधारा

- 1- मैथिलीशरण गुप्त - (प्रतिनिधि कविताएँ - मैथिलीशरण गुप्त)
क- मातृभूमी -
ख - निरख सखी ए खंजन आये भारत-भारती - जतीत
- 2- माखनलाल चतुर्वेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - माखनलाल चतुर्वेदी)
क- कैदी और कोकिला अग्नी शकुन्ती
ख- जलियावाला बेदी
- 3- सोहनलाल द्विवेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - सोहनलाल द्विवेदी)
क- कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती
ख- बड़े चलो बड़े चलो
- 4- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (प्रतिनिधि कविताएँ - बाल कृष्ण शर्मा नवीन)
क- विप्लव गायन मेरे गायन, मेरे शिक्षण
ख - हम अनिकेतन
- 5- रामधारी सिंह दिनकर (प्रतिनिधि कविताएँ - रामधारी सिंह दिनकर)
क- कलम आज उनकी जय बोल
ख- गांधी

जयशंकर प्रसाद - अहण यह मधुमय
हिमाद्रि लुग

सुभद्रा कुमारी चौहान - डाँसी की राती



3- छायावाद

जयशंकर प्रसाद -

- 1- आंसू काव्य खंड के प्रथम 15 पद (सन्दर्भ- आंसू खंड काव्य)
- 2- ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे-धीरे (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें -जयशंकर प्रसाद)
- 3- अरुण-यह-मधुमय-देश-हमारा- (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें -जयशंकर प्रसाद)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

- 1- ~~ध्वनि~~ हमें मिट्टि लह गया नो इमी पत्थर
2. बादल राग -6
3. बांधो न नाव इस ठांव बंधु (समस्त कवितायें राग विराग संग्रह से)

सुमित्रानंदन पंत

- 1- ~~नौका-बिहार~~ ✓ हुत सरो जगत के जीवित
2. मौन निमंत्रण ✓
3. मोह (सन्दर्भ- समस्त कवितायें तारापथ संकलन से)

महादेवी वर्मा

- 1- जो तुम आ जाते एक बार
2. मधुर मधुर मेरे दीपक जल
3. पंकज कली (सन्दर्भ-समस्त कवितायें प्रतिनिधि कवितायें महादेवी वर्मा से)



4. प्रेमचंद

- उपन्यास - सेवासदन
- नाटक - कर्बला
- निबंध - साहित्य का उद्देश्य
- कहानियाँ - ~~पूस की सत~~, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा। (प्रतिनिधि कहानियाँ - प्रेमचंद)

[Handwritten signature]



B.A. (HONOURS) HINDI
GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-101

1. कला और साहित्य

- कला और साहित्य का अंतःसंबंध *कला के रूप*
- कला और समाज का संबंध
- कला में दीर्घजीविता के सत्य और उपकरण *कला के शाश्वत तत्व*
- भारतीय कला का विकास *भारतीय कला का विकास*
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय मूल्य
- कला और हिन्दी साहित्य के संबंध की परंपरा
- लोक-कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाट्य कला

रवर्स क

1. कला के रूप
2. कला और समाज का संबंध भारतीय सौंदर्यशास्त्र और कला
3. के शाश्वत तत्व
4. लोक ~~कला~~ साहित्य की अवधारणा

रवर्स से

- ① अंधेर नगरी — भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- ② ~~अंधेर नगरी~~ आँगन में लेंगल — हरिश्चन्द्र परमार
- ③ मारण — नागार्जुन



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-102

2. आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- ✓ • मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

पाठ्य पुस्तकें

(उपन्यास)

आनंद मठ - बंकिम चंद्र

✓ मृत्युंजय - शिवाजी सावंत

अन्वरण - वैरप्पा

शंकर कार - यू. आर. शर्मा

- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ - प्रतिनिधि 5 कविताएँ



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-201

3. पार्श्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक



पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-202

4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्टाज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्टाज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्टाज और फीचर लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साप्ताहिक (इंग्लिश/भेटवाली) : उद्देश्य, प्रकार, साप्ताहिक-प्रविधि, महत्व।
- स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और साप्ताहिक पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।



B.A. (HONOURS) HINDI

**ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY
COURSE (AECC)**

1. हिंदी व्याकरण और संप्रेषण
2. हिंदी भाषा और संप्रेषण एक सामान्य परिचय



1. हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। लपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- सम्प्रेषण की अन्वयारणा और महत्त्व
- सम्प्रेषण के प्रकार
- सम्प्रेषण के माध्यम
- सम्प्रेषण की तकनीक
- अभ्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- सजात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन



2. हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत
- व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।
- भाषा सम्प्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।



**B.A.(HONOURS) HINDI
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)**

1. रचनात्मक लेखन
2. साहित्य और हिंदी सिनेमा



1. रचनात्मक लेखन

- रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन,
विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ
जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति
लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर,
नाट्य-पाद्य
- रचनात्मक लेखन : भाषा-संदर्भ
अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग,
नव्य-प्रयोग
भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचनात्मक लेखन : रचना-कौशल-विश्लेषण
रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं
- विविध किष्कणों की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन
क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक
ख. कथासाहित्य : क्लृप्त, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म
घ. विविध गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य
ङ. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना
- सूचना-तंत्र के लिए लेखन
प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तंत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा
इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन



2.

● साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, नव्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनताप्रीयकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला का मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संवाद, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- ✓ हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय नव्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतांत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का चित्रण, सिनेमाई चर्चासूत्रवाद और सम्मानान्तर सिनेमा, मूलभूतकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फ़िल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- ✓ साहित्य और सिनेमा : अंतर्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदन का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :
आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अहल कन्या, ~~धनमोहन धन्नी~~, देवदास
1947 से 1970 : मदन इन्दिरा, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कक्षा, नया दौर
1970 से 1990 : गर्भ हवा, ~~डूँबी~~ शोले, ~~ओपी~~, ~~आशोका~~
1990 से अद्यतन : तारे जमीं पर, बी इन्दिरा, दिलवाले दुल्हनियां ले ~~जायेंगे~~ गुन्ना माई एम.बी.वी.एस., पान सिंह तोमर, मेरी कॉम। ~~बे. डि. कनीग~~

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(निर्देशक विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 अ. 25 से अंगीकृत राष्ट्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)



Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act, 2009 No. 15 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

Scheme and Syllabus